Event 8. Celebration Day Activity (**Quarter: II**)

Name of Activity: Expert talk on "**Plastic Free India**" on the occasion of National Pollution Control Day
Date: December 02, 2022
Programme driven by: Celebration Day Activity, Institute Innovation Cell, CMP Degree College, Prayagraj in collaboration with Dept. of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj
Duration of activity (in mins): 90 minutes **Number of Beneficiary: 102**
https://drive.google.com/file/d/1-P6wmf0ezu58kMaV3UXnNl97N15y8qAJ/view?usp=drivesdk

About the Event:

Dr. Santosh Kumar Srivastava, Associate Professor (Chemistry) in C.M.P. Degree College Prayagraj has motivated the students, teaching and non-teaching staff of the College to use cloth bags instead of polythene by quoting "Panni chhodein, thjaila pakadein", to make India Plastic free. In this occasion, more than 250 cloth bags were distributed across the College premises.

Facebook URL:
https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid0kPVHmLgLEgf9J2KFmKS7ivf3xcJNLXFuRo5wdThpbNWM7L7KDZRuE9uYfxcJib5hl&id=100087502628037&mibextid=Nif5oz

Photographs

प्लास्टिक व पालीथिन का उपयोग न करने की अपील

प्रयागराज। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर शुक्रवार को शिक्षकों व शोधार्थियों को कपड़े से बने झोले वितरित किये गये। इस अवसर पर जनमानस से प्लास्टिक व पालीथिन का प्रयोग न करने की अपील की गयी।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रसायन विभाग, चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत शोधार्थियों एवं शिक्षकों के मध्य कपड़े से बनें झोलों का वितरण किया गया। इन झोलों के माध्यम से उनके बीच यह सन्देश प्रसारित करने का प्रयास किया गया की प्लास्टिक एवं पालीथीन का प्रयोग न करें। यह झोला सदैव अपने साथ रखें और बाजार से वस्तुएँ खरीदते समय पलीथीन को ना कहें जिससे हमारा पर्यावरण सुरक्षित रह सके। इन झोलों का वितरण डा. अर्चना पाण्डेय एसोसिएट प्रोफेसर रसायन विभाग के सौजन्य से किया गया। इस कार्यक्रम में विधार्थियों एवं शोधार्थियों तथा शिक्षकों को पर्यावरण को संरक्षित करने की शपथ दिलाई गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने अपने उदबोधन में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार को अपनाने पर बल दिया। रसायन विज्ञान विभाग के डा. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने पर्यावरण प्रदूषण एवं प्लास्टिक मुक्त भारतः विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा की हमें प्रति से सिर्फ लेना ही नहीं, प्रकृति को देना भी सीखना होगा। उन्होंने अपील की कि हमें ऐसे विकास का भागी होना चाहिए जिससे प्रकृति की विविधता कायम रहे। समन्वयक डा. बबिता अग्रवाल ने कार्यक्रम के उद्देश्यों से जनमानस को अवगत कराया तथा डा. प्रवीण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में शपथ काजल सिंह द्वारा दिलाई गयी। इस अवसर पर डा. मोनिका, डा. अकरम, डा. रंजीत, डा.अशोक, डा. अनिल, डा. प्रवीण त्रिपाठी, डा. हिमानी, आरती, डा. मृदुला, प्रगति, अश्वनी, निवेदिता एवं भारी संख्या में छात्र-छात्राएं तथा अध्यापक कर्मचारीगण उपस्थित रहें। मंच संचालन डा. अकरम ने किया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस समाज में प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु मनाया जाता है। दो दिसंबर 1984 को भोपाल गैस त्रासदी हुई थी जिसमें मिथाइल आइसो सायनेट गैस के रिसाव के कारण हजारो बेकसूर लोग मारे गए थे। प्रदूषण से होने वाली जन हानि बीमारी से होने वाली मृत्यु से अधिक होती है।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस
शिक्षकों व शोधार्थियों को वितरित किये कपड़े से बने झोले

Dr. Himani Chaurasia
(Event Convener & IA, IIC, CMP)

Dr. Archana Pandey
(Convener IIC, CMP)

Institute Innovation Cell ★ CONVENER IIC ★ C.M.P. Degree College, Prayagraj